राष्ट्रीय
सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

नई दिल्ली। सोमवार • 22 मार्च • 2021 | राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

नेटवर्क व संसाधनों की कमी से हुए दो-चार

स्कूल-कॉलेजों में चलने वाली कक्षाएं गूगल मीट जूम एप पर आ गईं

- कक्षा ही नहीं बल्कि परीक्षा भी दी ऑनलाइन
- ऑफलाइन क्लास की तरह नहीं हो पाई पढ़ाई
- लॉकडाउन ने जीवन की गतिविधियों पर ब्रेक लगा दिया था

■ राकेश नाथ

नई दिल्ली। एसएनबी

कोरोना के चलते लगाए गए लॉकडाउन का रविवार को एक बरस हो गया। आज से एक साल पहले इसी दिन कोरोना के चलते पूरे देश में लॉकडाउन लगाया गया था। लॉकडाउन ने जीवन की गतिविधियों पर ब्रेक लगा दिया था। इसके कारण स्कूल और कॉलेज भी बंद हो गए। ऑफलाइन कक्षाओं की जगह ऑनलाइन कक्षाओं ने ले ली। तब से आज तक 80 फीसद शिक्षा तंत्र ऑनलाइन ही चल रहा है। छात्रों को घर पर रहकर मोबाइल और लैपटॉप के जरिए ऑनलाइन पढ़ाई करनी पड़ी।

प्रधानाचार्य बोले- हमने पढ़ाई प्रभावित नहीं होने दी

पीतमपुरा स्थित एमएम पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य रूमा पाठक ने कहा कि ऑनलाइन कक्षाएं नया प्रयास था। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों को नित नई समस्याओं का सामना करना पड़ा। लेकिन छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए हमारे विद्यालय ने सीमित संसाधन होते हुए भी शिक्षकों और छात्रों से ऑनलाइन कक्षाओं के लिए प्रशिक्षण दिया। इसके लिए 3 -4 कार्यशाला का आयोजन कर छात्रों और शिक्षकों को ऑनलाइन कक्षाओं के लिए तैयार किया गया। अप्रैल के प्रथम सप्ताह में हमने शैक्षणिक वर्ष का प्रारंभ किया। सामान्य स्तर पर होने वाली सभी प्रकार की परीक्षाओं का आयोजन भी किया गया। शिक्षा मंत्रालय की तरफ से जनवरी में बोर्ड कक्षाओं के लिए विद्यालय में नियमित कक्षाएं लगाने की घोषणा हुई तो पुनः सामान्य कक्षाओं का आयोजन किया। कक्षाओं में छात्रों ने प्रैक्टिकल परीक्षाओं की तैयारी की और प्री बोर्ड की परीक्षाएं देकर अपनी गलतियों को समझा उन्हें सुधारने का प्रयास किया।

लॉकडाउन का हो गया था अंदेशा, ऑनलाइन कक्षाओं की कर ली थी तैयारी

विकासपुरी स्थित ममता मॉडल स्कूल की प्रधानाचार्य पल्लवी शर्मा ने कहा कि हमें पहले ही लॉकडाउन होने का अंदेशा हो गया था। इसके लिए हम पहले ही ऑनलाइन कक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी थी। लिहाजा हमने 25 मार्च से ही ऑनलाइन कक्षाएं शुरू कर दी थी। हमें एक अप्रैल से ही नए सत्र की तैयारी करनी थी। इससे पहले ही लॉकडाउन हो गया था। हमने न सिर्फ ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की, बल्कि परीक्षा व ऑनलाइन पैरेंट्स मीटिंग भी की। यह सच है कि ऑफलाइन कक्षा वाली बात ऑनलाइन पढ़ाई में नहीं होती। जिस तरह शिक्षक एक ह्यूमन टच के साथ बच्चों को प्रेरित कर शिक्षा देता है वह ऑनलाइन में संभव नहीं है।

आसान नहीं थीं ऑनलाइन